R. K. Advertising
के माध्यम से 'जैन गजट' में विज्ञापन बुक कराने हेतु सम्पर्क करें-
शेखर चन्द पाटनी
राष्ट्रीय संवाददाता-जैन गजट
मो. 9667168267
रोहित कुमार पाटनी, डायरेक्टर (आर. के. एडवरटाइजिंग)
मो. 8003892803
ईमेल
rkpatni77@gmail.com

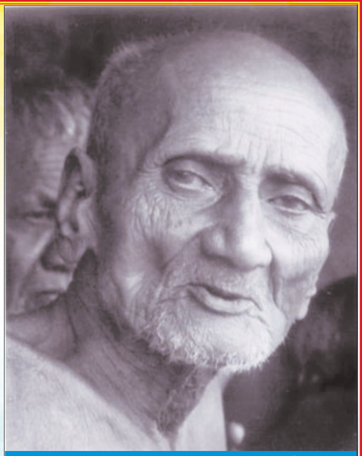
बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य
चारित्र चक्रवर्ती
परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

दो सेवा महारथियों का मंगल मिलन'
पृष्ठ 05 पर...

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 32 अंक 09 कुल पृष्ठ 12 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 22 दिसम्बर 2025, वीर नि. संवत् 2552

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन का गरिमामय समापन

बाबा रामदेव स्वामी ने अपना पूरा जीवन मानव समाज को समर्पित कर दिया: अंतर्मना प्रसन्न सागर जी

बाबा जी योग तो अंतर्मना का उपवास जन जन के लिए प्रेरणादायक है: पीयूष सागर जी

अलौकिक आयोजन में भक्तों ने योग के साथ हर मास एक उपवास का संकल्प लिया

पियुष कासलीवाल, संवाददाता

दिल्ली 12 दिसम्बर। हमने इतने उपवास किए तुम महीने में एक उपवास तो कर ही सकते हो। आपके उपवास करने से मुझे कोई फायदा नहीं होगा वह उपवास आप को ही लाभ पहुंचाएगा। आज के समय में व्यक्ति मतलब की सब बात समझ जाता है लेकिन बात का मतलब बहुत कम लोग समझ पाते हैं। इसलिए मैं कहता हूं मैंने दीपक से पूछा तू जलता क्यों है दीपक ने कहा किसी पाव को लगे न ठोकर इसलिए मैं जलता हूं। स्वयं को दीपक बना कर अपनी यात्रा प्रारंभ करो। बाबा रामदेव स्वामी ने अपना पूरा जीवन मानव समाज को समर्पित कर दिया, उनका योग जनमानस को निरोगता प्रदान कर रहा है क्योंकि जीवन में सबसे मूल्यवान चीज अगर कोई है तो वह आप खुद स्वयं हो। यह बात भारत मंडपम दिल्ली के सभागृह में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन के दूसरे दिन 'हर मास, एक उपवास' के प्रेरणा स्तंभ उपवास शिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने उपस्थित भक्तों से कही। उन्होंने भक्तों से कहा कि 13 दिसंबर का यह दिन अब हर साल विश्व उपवास दिवस के रूप में संपूर्ण विश्व मनाए ऐसी मैं सरकार से अपेक्षा करता हूं कि सरकार इस निवेदन को स्वीकार करें। इस अवसर पर गुरुदेव ने आयोजन में सहभागी व उपस्थित भक्तों के साथ जनमानस को मंगल आशीर्वाद देकर अपनी वाणी को विराम दिया।

शेष पृष्ठ 4 पर...

WONDERFUL 12 Nights / 13 Days
EUROPE
शुद्ध जैन भोजन किचन कारावेन के साथ
वर्ष 2026 मे 7 देशो की सैर
21 April, 18 May, 2 June, 16 June
यूरोप जैन मंदिर के दर्शन
FRANCE, PARIS, ITALY
GERMANY, SWITZERLAND
AUSTRIA, AMSTERDAM
ला: नेमचंद जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ
VAYUDOOT
WORLD TRAVELS PVT. LTD.
Mob : +91 9313338256, 9810408256, 9818312056

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

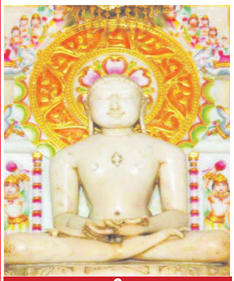
869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण
LIVE
आरती : 7:15 - 7:45 AM
शांतिधारा : 8:30 AM
@jainmandirhasteda
नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:
अमित शर्मा (Manager)-9783016885
नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।
हस्तेड़ा जैन मंदिर
दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.
संपर्क सूत्र:
नितिन कुमार पाटनी (मंत्री)
9001255955
मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष)
095880-20330

JK MASALE
SINCE 1957
Buy online on jkcart.com

– Breakfast Matlab –
JK POHA
Shudh Khao Swasth Raho...

चतुर्थ पुण्य तिथि 27 दिसम्बर 2025 पर श्रद्धा सुमन

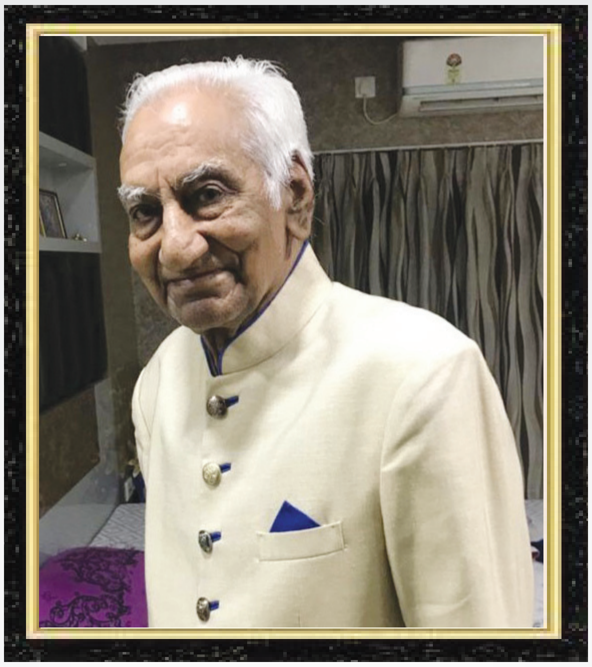

जन्मः
27 जुलाई, 1933

स्वर्गवासः
27 दिसम्बर, 2021

स्व. श्री लालचन्द जी जैन (बिन्दायका)

बगरू - जयपुर निवासी

आपका न होना आंगन में वटवृक्ष के न होने जैसा है,
जीवन पर्यन्त कर्म में लीन रहकर आपने हमारे लिए भी
कर्म और संस्कारों की मजबूत आधार शिला रखी है।
आपका पावन स्मरण हमारे लिए प्रकाश स्तम्भ है।।

-: श्रद्धावनत :-

पुत्र-पुत्रवधु
सुरेश कुमार - त्रिशला (सूरत)
जयकुमार - छवि (जयपुर)
निर्मल कुमार - पुष्पा (गुड्डी) कोलकाता

बेटी-जवाई
पुष्पा-पवन कुमार जी (कोलकाता)
सन्तोष (सूरत)
कान्ता-विमलचन्द जी (दौसा)

सुपौत्र-सुपौत्र वधु
नितेश-रचना (जयपुर)
अनुराग-मोनिका (जयपुर)
हितेश-अंकिता (सूरत)

सुपौत्री
जेसिका
(कोलकाता)

सुपौत्री-सुपौत्री जंवाई
शालू-सुशील जी बाकलीवाल (जयपुर)
सोनू-मनीष जी सेठी (जयपुर)
श्वेता-रोहितजी बाकलीवाल (भीलवाड़ा)

भतीजा-भतीजा बहु
संजय कुमार-सन्नों
विजय कुमार-नैना
सुनील कुमार-मोनिका

भतीजी-भतीजी जंवाई
हेमा-प्रदीपजी
(बाराबंकी)
बबीता (अडंगाबाद)

पड़पौत्र-पड़पौत्रियां
रिजुल, आरव, तुभ्यम,
सानवी, रेवान्स
(जयपुर-सूरत)

सहित समस्त बिन्दायका परिवार (बगरू-जयपुर वाले)

मोबा.: 9828015711 (जयपुर), 9830725690 (कोलकाता), 9664179225 (सूरत)

-: प्रतिष्ठान :-

एवरग्रीन होजियारी इन्डस्ट्रीज प्रा. लि.
39, ताराचन्द दत्ता स्ट्रीट, 2 तल्ला (मूनलाईट सिनेमा के विपरीत), कोलकाता-700073 (प. बंगाल)
फोन - 033-40010686
मोबा. 9163391228, 8013120773

एवरग्रीन हैण्डीक्राफ्ट्स
(जयपुर)
सीतापुरा, टोंक रोड, जयपुर
मोबा. 9414044537

महावीर साड़ी
446, अभिषेक मार्केट, रिंग रोड,
सूरत-395002
मोबा. 7575041434

एवरग्रीन क्रियेशन
507-508, अभिषेक मार्केट, रिंग रोड, सूरत-395002
मोबा. 9828018707, 9727982406

संकलनः राजाबाबू गोधा, फागी, जैन गजट संवाददाता फागी एवं राजस्थान मो. 09460554501

हार्दिक शुभकामनाओं सहित
SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.
OFFICE
CITY TRADE CENTRE,
Near Athgaon Flyover, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 8638773711

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला श्रीमती सरिता काला संदीप-स्वाति पाटनी श्रेयांस-स्नेहा काला
RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com
SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी के सान्निध्य में जैन संस्कृति परिसंवाद का आयोजन

रमेश चंद्र जैन

नई दिल्ली। आचार्य श्री प्रज्ञ सागरजी महाराज ने भगवान पार्श्वनाथ के जन्म व तप कल्याणक और आचार्य श्री विद्यानंदजी के जन्म शताब्दी वर्ष पर 17 दिसंबर को आयोजित जैन संस्कृति परिसंवाद में कहा कि अत्यंत प्राचीनकाल से भारतीय संस्कृति विश्व में सर्वोच्च रही है, इसका संरक्षण जरूरी है। संत, समाज और सरकार मिलकर ही इसका संरक्षण कर सकते हैं। परिवार, समाज और राष्ट्र की सुरक्षा अणुव्रतों के पालन में ही है। 69-साउथ एवेन्यू में आयोजित परिसंवाद के संयोजक भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि भारत की मिट्टी से जैन संस्कृति की खुशबू आती है, जैन दर्शन में करूणा की पराकाष्ठा है, जैन संतों ने तप-त्याग की जो मिसाल कायम की है, वही हमारा संबल है। आज सरकार की शिक्षा नीति जैन संतों के मार्गदर्शन से ही बनाई गई है। राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने जैनों का संगठन मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार समाज की सभी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रही है। दोनों सांसदों ने समाज से नई संसद देखने की अपील करते हुए बताया कि उसमें जैन धर्म और तीर्थों की भव्य झलक देखने को मिलेगी। प्रो. वीरसागर जैन ने मंगलाचरण करते हुए आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज के जीवन के प्रेरक प्रसंग बताते हुए कहा कि जैन धर्म तो जन-जन की संस्कृति है। आज अहिंसा की बड़ी जरूरत है। जैन दर्शन अत्यंत वैज्ञानिक दर्शन है। ऋग्वेद में 146 बाद भगवान ऋषभदेव का स्तुतिपरक उल्लेख आया है। संगोष्ठी में महासभाध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल ने जैनों की सरकारी जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए समस्त समाज से इस बार की जनगणना में जैन लिखाने का आह्वान किया। विनोद जैन-रायपुर, राहुल कोठारी-जबलपुर, मुकेश जैन-सागर, हरियाणा की पूर्व मंत्री कविता जैन, मनोज जैन-आगरा ने भी समाज की समस्याओं का जिक्र करते हुए सरकार से समाधान करने की अपील की और समाज के संगठन पर बल दिया। संगोष्ठी में 12 राज्यों के सैकड़ों प्रतिनिधि शामिल रहे। सभी ने आचार्य श्री को विनयांजलि अर्पित की। भगवान पार्श्वनाथ और आचार्य श्री विद्यानंदजी पर वृत्त चित्र दिखाए गए। प्रदीप जैन ने भजन और संचालन डा. नलिन शास्त्री ने किया। इस मौके पर परिसंवाद की पुस्तिका का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों के रूप में श्री नवीन जैन, माननीय सांसद, श्री तरुण चुग जी, श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल, श्री पंकज जैन (भाजपा प्रभारी), श्री कैलाश जैन (जिलाध्यक्ष), श्री धर्मेन्द्र जैन सेठी, दिल्ली (ट्रस्टी), श्री सनी जैन जी (अजमेर) (ट्रस्टी), श्री हंसमुख गाँधी, इंदौर (ट्रस्टी), श्री ताराचंद जैन जी-चेयरमैन, श्री सम्मेद शिखर न्यास बोर्ड (झारखंड), श्रीमती कविता जैन जी (पूर्व मंत्री, हरियाणा), श्री राजीव जैन जी (सोनीपत), एसएस जैन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष जैन ओसवाल, पूर्व मेयर निर्मल जैन, अनिल जैन-सूरजमल विहार, प्रमोद जैन-वर्धमान, आकाश जैन, प्रियंक जैन, सारिका जैन, स्वराज जैन-टाइम्स, रमेश जैन नवभारत टाइम्स, नवीन जैन-अहिंसा धाम, प्रदुमन जैन श्री सुमित जैन (प्रभारी, बुराड़ी) एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

श्रीफल गौरव दिवस की तैयारियां प्रारंभ

रेखा-संजय जैन ने भट्टारक स्वामी से लिया आशीर्वाद

टी. के. वेद

इंदौर। श्रीफल गौरव दिवस महोत्सव की तैयारियों के तहत श्रीफल परिवार की प्रतिनिधि रेखा संजय जैन ने श्रवणबेलगोला में स्वस्तिश्री चारुकीर्ति भट्टारक महास्वामी से भेंट कर मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्हें पिच्छी भी अर्पित की गई। जैन सिद्धांतों और संस्कृति के प्रसार हेतु प्रकाशित श्रीफल पत्रिका के 20 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वर्ष 2025-2026 को श्रीफल गौरव वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि श्रीफल पत्रिका की यात्रा की शुरुआत 16 नवंबर 2005 को श्रवणबेलगोला से ही हुई थी। मुख्य आयोजन जनवरी 2026 में इंदौर में प्रस्तावित है, जिसमें अंतर्मुखी मुनि श्री पूज्य सागर महाराज का सानिध्य रहेगा। यह कार्यक्रम इंदौर जैन समाज के सहयोग से भव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा।

पार्श्वनाथ जयंती पर नगर निगम ने मीट की दुकानों पर की कार्रवाई

गांडीव, वाराणसी। जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ की जयंती पर मीट की दुकानें खुलने पर नगर निगम ने कार्रवाई की। पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. संतोष पाल के नेतृत्व में निगम की टीम ने नदेसर, नई सड़क, बेनियाबाग, जगतगंज, चौकाघाट और हुकुलगंज में निरीक्षण किया। चौदाघाट में मछली मार्केट में आधा दर्जन दुकानें खुली रहने पर मछलियों को जब्त करके करसडा स्थित मृत पशु निस्तारण प्लांट में निस्तारित कराया गया।

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के चरणों में शत् शत् नमन

आचार्य वर्धमान सागर वचन

जिनके चरणों में लगी हुई तीर्थों की पावन रजकण,
बड़े भाग्य से मिल पाता उन चरणों का स्पर्शन
जिनकी हितमित प्रिय वाणी हरती है धरती का क्रंदन
ऐसे आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के चरणों में हमारा शत् शत् वंदन

उदास रहने की अनगिनत वजहों के बीच खुश रहने की एक वजह ढूंढ़ना ही जिन्दगी है

-: नमनकर्ता/पुण्यार्जक :-

श्रीपाल सबलावत, सुरेश सबलावत, हुलासचंद सबलावत परिवार रेडिप्रिण्ट जयपुर

कैलाशचंद पाटनी किशनगढ़ (उरसेवा वाले)

धर्मचंद पहाड़िया जयपुर राज. केन्द्रीय कार्याध्यक्ष तीर्थ संरक्षिणी महासभा

विज्ञापन प्रेषक: R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

शेष पृष्ठ 1 का.......

आयोजन का मुख्य उद्देश्य - गुरुदेव ने आयोजन के मुख्य उद्देश्य के बारे बताते हुए कहा कि भारत की प्राचीन योग, ध्यान और उपवास परंपराओं की वैज्ञानिक दृष्टि से विवेचना होना। शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि के लिए उपवास एवं ध्यान के व्यावहारिक मार्ग की संस्तुति व स्वदेशी जीवनशैली, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुर्वेदिक पद्धति के वैज्ञानिक चिंतन का प्रसार के साथ, 'हर मास एक उपवास' अभियान का एक वैश्विक आंदोलन के रूप में संप्रवर्तन करते हुए मानव जीवन को निरोगता प्रदान करना।

योग उपवास के प्रति संत समागम के विचार - प्रवक्ता रोमिल जैन ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन समापन आयोजन की शुरुआत संघ के प्रदीप जैन मामा के मंगलाचरण से हुई। संघस्थ क्षुल्लक श्री नेगम सागर जी महाराज द्वारा ऊँकार ध्वनि व नवकार मंत्र की ऊर्जा गीत संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया। बहन प्रियंका दीदी द्वारा अष्टांग योग की महिमा व ध्यान कराकर आध्यात्मिक शक्ति का दर्शन कराया। ज्योतिष रवि गुरु जी द्वारा उपवास कौन से दिन और कैसे किया जाए उसके बारे में विस्तार से बताया। वहीं पवन गोधा ने कहा कि हर मास एक उपवास जैन धर्म एक के सबसे बड़े इतिहास गाथा होगी।

संघस्थ मुनि सौम्य मूर्ति पीयूष सागर जी महाराज ने योग और ध्यान पर जनसमुदाय का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बाबा रामदेव जी ने योग प्राणायाम किसी एक के लिए नहीं संपूर्ण विश्व के मानव के लिए बताया है। जिस पर हवा, पानी, अग्नि, योग संपूर्ण मानव समाज के लिए है उसी प्रकार

अंतर्मना आचार्य व उपवास जन-जन के लिए है। मंत्री कपिल मिश्रा जी ने गुरुदेव के तप उपवास की अनुमोदना करते हुए हर मास एक उपवास के उद्देश्य की प्रशंसा की।

इस अवसर पर गुरुदेव ने ब्रिटिश पार्लियामेंट द्वारा बेस्ट रोबोटिक परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित 9 साल की बिटिया आराध्य जैन गाजियाबाद का सम्मान स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया।

दोनों सत्र में मुख्य रूप चिंतन बिंदुः आयोजन के दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन में विचारकों द्वारा योग तथा ध्यान की तप साधना द्वारा मानसिक एवं शारीरिक शुद्धि की प्रक्रिया का रोचक वर्णन किया। उपवास का आध्यात्मिक महत्व एवं ऐतिहासिक परंपरा के बारे में भक्तों का मार्गदर्शन किया।

विविध उपवास पद्धतियाँ एवं उनके विज्ञान-सम्मत नियम बताते हुए व्रत उपवास का शरीर, मन और चेतना पर क्या प्रभाव होता है, मानव के साथ-साथ जीव जंतु व पर्यावरण संरक्षण आदि पर पड़ने वाले महत्वपूर्ण प्रभाव का बोध कराया। आयोजन का सफल संचालन ब्रह्मचारी तरुण भैया व आभार श्री गजेंद्र बज ने किया।

वात्सल्य मूर्ति, कवि हृदय राजकीय अतिथि, आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी मुनिराज के चरणों में शत् शत् नमन् आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज एस.एफ.एस मानसरोवर आदिनाथ जैन मंदिर जिला जयपुर में विराजमान है।

आचार्य शशांक सागर वचन

**जिनके चरणों में लगी हुई तीर्थों की पावन रजकण,
बड़े भाग्य से मिल पाता उन चरणों का स्पर्शन
जिनकी हितमित प्रिय वाणी हरती है धरती का क्रंदन,
ऐसे आचार्यश्री शशांक सागर जी के चरणों में हमारा शत् शत् वंदन**

वक्त सबको मिलता है, जिन्दगी बदलने के लिए पर जिन्दगी दोबारा नहीं मिलती है, वक्त बदलने के लिए

-: नमनकर्ता/पुण्यार्जक :-

श्रेष्ठी विनित चांदवाड़ (सिद्धार्थ नगर, जयपुर)
श्रेष्ठी ऋषभ कुमार सेठी (अध्यक्ष तिलक नगर जयपुर)
श्रीमती राखी गंगवाल, (आदिनाथ नगर, जयपुर)
अनिल कुमार पाण्ड्या (बनेठा वाले)
गजेन्द्र बड़जात्या, (कामा वाले) जयपुर
....

श्रेष्ठी महेश-राकेश कुमार ठोल्या (मारूजी का चौक, जयपुर)
पवन कुमार बड़जात्या मरवा वाले किशनगढ़
अशोक चांदवाड (वसुन्धरा कॉलोनी, जयपुर)
मधु जैन अध्यक्षा-श्री दिग. जैन मंदिर प्रतापनगर सेक्टर-3
कमल चंद छाबड़ा अध्यक्ष 1008 श्री शांतिनाथ दिग. जैन मंदिर मान्यवास, मानसरोवर, जयपुर

विज्ञापन प्रेषकः R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

परम पूज्य वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज एवं समस्त मुनि संघ के चरणों में

शत् शत् नमन, शत् शत् वंदन

नमनकर्ता: राजेन्द्र कुमार जैन, भागचन्द्र जैन एवं समस्त छाबड़ा परिवार

'Manik Ratan Bldg', By lane Kamal Patrol Pump, H. B. Road, Machkhowa, Guwahati - 781009

Jain Group

इतिहास में प्रथम बार श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा' के केंद्रीय कार्यालय में 'दो सेवा महारथियों का मंगल मिलन' अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न

दिल्ली में श्री गजराज जैन गंगवाल जी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा) एवं श्री जमनालाल जैन हपावत जी (महासभा चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, ग्लोबल महासभा) का सादर, आत्मीय एवं प्रेरणादायी मिलन हुआ। इस अवसर को और भी गौरवपूर्ण बनाया, आदरणीय श्री पवन जैन गोधा जी (राष्ट्रीय महामंत्री), आदरणीय श्री प्रकाश मोदी जी, (डायरेक्टर, पारस चैनल) तथा श्री प्रदीप कुमार जैन जी, मेंबर, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली) श्री पुनीत जैन, दिल्ली, टाइम्स ऑफ इंडिया के सारगर्भित एवं प्रेरणादायी उद्‌बोधन हुये।

कार्यक्रम के दौरान सभी गणमान्य अतिथियों ने परस्पर सादर मिलन, आत्मीय संवाद एवं स्वागत के माध्यम से संगठनात्मक एकता, समन्वय एवं समाजहित के संकल्प को सुदृढ़ किया। यह मंगल मिलन निश्चय ही धर्म, संगठन, समरसता एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणास्पद अध्याय सिद्ध होगा।

श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा एवं ग्लोबल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संयुक्त रूप से समाजहित, धर्म संरक्षण, संगठन सुदृढ़ीकरण एवं सामाजिक कल्याण के कार्यों को समन्वय और सहयोग की भावना से आगे बढ़ाएँगे। दोनों संस्थाएँ परस्पर सहयोग से धार्मिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं सेवा कार्यों को नई दिशा एवं गति प्रदान करने हेतु साझा प्रयास करेंगी, जिससे समाज को एकता, सशक्तिकरण एवं समरसता का लाभ प्राप्त होगा।

यह संयुक्त संकल्प जैन समाज के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी पहल सिद्ध होगा।

प्रसिद्ध समाजसेवी श्री लालचंद जी जैन बिन्दायका बगरू (जयपुर) निवासी ने अपने जीवन काल में अपने परिवार को अच्छे संस्कार देकर आगे बढ़ाया

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

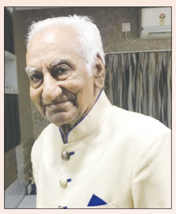

प्रसिद्ध समाजसेवी परम श्रद्धेय स्वर्गीय श्री लालचंद जी जैन बिन्दायका बगरू (जयपुर) निवासी ने अपने जीवन काल में अनेक धार्मिक कार्य करते हुए अपने परिवार को उच्च शिखर पर पहुंचाया, जानकारी पर ज्ञात हुआ कि श्री लालचंद जी बिन्दायका का जन्म जयपुर के पास बगरू (जयपुर) कस्बे में स्वर्गीय श्री नाथू लाल जी बिंदायका के यहां सन 1933 में हुआ। आप दो भाईयों में बड़े भाई थे, आपका विवाह बोराज के पास गुड्डा बेरसल में श्री भंवर लाल जी फूलचंद जी लुहाड़िया के यहां उनकी सुपुत्री मोहिनी देवी के साथ हर्षोल्लास पूर्वक हुआ था। श्री लालचंदजी बगरू में ही सातवीं क्लास पास करते हुए अध्यापक बन गए थे, उसके बाद उन्होंने निरंतर पढ़ाई करते हुए पढ़ाई की एवं परिवार की पूरी जिम्मेदारी निभाई, उनके तीन पुत्र एवं तीन पुत्रियां थी, आपके बड़े पुत्र सुरेश जैन वर्तमान में अपने पुत्र के साथ सूरत में कपड़े के व्यापार में सहभागिता निभाते हुए अच्छा व्यापार कर रहे हैं, इनके मंजले बेटे जयकुमार जैन जो विगत 25 वर्षों से दुर्गापुरा (जयपुर) में रहते हुए मंदिर कमेटी में 25 वर्षों से धर्म चर्या में अग्रणी रहते हुए विभिन्न पदों पर रहते हुए अपनी योग्य सेवाएं देते आ रहे हैं, इनके छोटे बेटे श्री निर्मल बिन्दायका कोलकाता में निवास कर रहे हैं जो धर्मचर्या में अग्रणी रहते हुए, विभिन्न धार्मिक पदों पर रहते हुए, परिवार का एवं समाज का नाम पूरे देश में रोशन कर रहे हैं। आपको कोलकाता में भामाशाह के नाम से भी जाना जाता है। आप विभिन्न मुनि-आर्यिकाओं के संघों के साथ रहकर उनकी सेवाओं में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। अभी हाल ही में आचार्य प्रमुख सागरजी महाराज ने उनके निवास पर नौ मंजिल सीढ़ियां चढ़कर सारे परिवारजनों को मंगलमय आशीर्वाद दिया तथा वहां पर सभी आगंतुक समाज बंधुओं को मंगलमय आशीर्वचन देकर धर्म की प्रभावना बढ़ाई, वहां श्री लालचंद जी बिन्दायका स्वस्थ रहते हुए धर्म चर्या में अग्रणी रहते थे, 23 सितंबर 2021 को श्री निर्मल जी के निवास पर सभी परिवार जनों ने उनका जन्म हर्षोल्लास पूर्वक मनाया, उक्त खुशी में बिन्दायका परिवार ने कोलकाता के एक नामी अस्पताल में उनके जन्मदिन के उपलक्ष पर अथाह दान राशि देकर अक्षय पुण्य अर्जित किया। 27 सितंबर 2021 को पूरे परिवार के बीच हंसते बोलते हुए 10:00 बजे उनका अचानक देहावसान हो गया, जो परिवार के लिए दुखद् घटना घटी। बिन्दायका परिवार ने उनके पार्थिव शरीर को गंगा घाट पर ले जाकर सभी समाज जनों के बीच दाह संस्कार किया, कार्यक्रम में समाज की सभी संस्थाओं सहित सारे समाज ने, सारे परिवारजनों ने अश्रुपूरित नम आंखों से उनको अंतिम विदाई देकर भगवान के श्री चरणों में स्थान देने की कामना करते हुए मोक्ष एवं शांति की कामना की।

सम्मानित ट्रस्टी श्री संदीप जैन बाकलीवाल की महासभा अध्यक्ष से मुलाकात

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की नवीन कार्यकारिणी के सफलता पूर्वक गठन के पश्चात सप्तम दिवस बने चेरिटेबल ट्रस्ट के सम्मानित ट्रस्टी श्री संदीप जैन बाकलीवाल (हैदराबाद) का दिल्ली स्थित महासभा कार्यालय में भेंट हेतु आगमन हुआ। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल द्वारा श्री संदीप जैन का हार्दिक एवं आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्री .संदीप जैन द्वारा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल का सर्वसम्मान किया। श्री गजराज जी ने युवा ट्रस्टी श्री संदीप जैन का अभिनंदन करते हुए उन्हें दक्षिण भारत में महासभा के अंतर्गत युवाओं के संगठन को सशक्त, सक्रिय एवं संगठित करने हेतु प्रेरित किया। श्री संदीप जैन बाकलीवाल ने महासभा के अध्यक्ष को आश्वस्त करते हुए कहा कि उन्हें जो भी दायित्व एवं जिम्मेदारियाँ सौंपी जाएँगी उनका निर्वहन वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं ईमानदारी के साथ करें

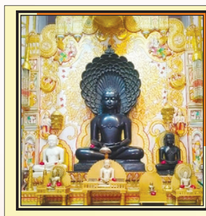

आचार्यश्री धर्म सागर जी महाराज का 113वां जन्म जयंती महोत्सव ग्राम गंभीरा, तहसील नैनवा, जिला-बूंदी में

मुनि वैराग्य सागरजी महाराज

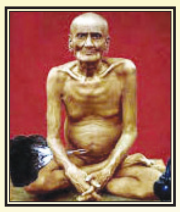

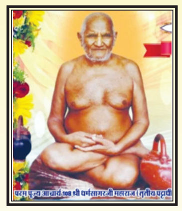

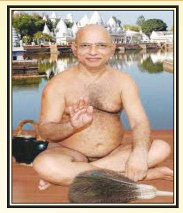

मुनि सुप्रभ सागरजी महाराज

-: कार्यक्रम:-

दो दिवसीय 2 व 3 जनवरी, 2026

(दो मुनियों का परम सानिध्य सुप्रभ सागर जी महाराज व मुनि वैराग्य सागर जी महाराज)

2 जनवरी 26: प्रातकाल पंचामृत अभिषेक, अभिषेक, शांति धारा, नित्य नियम पूजन, शांति मंडल विधान, सायंकाल महाआरती

3 जनवरी 2026: प्रात: काल पंचामृत अभिषेक, शांति धारा पूजन, 11:00 बजे झंडारोहण, 12:30 पर विशाल शोभायात्रा, 1:30 पर सम्मान समारोह, दीप प्रज्वलित, चित्र अनावरण, मुनिराज के पाद प्रक्षालन, अतिथि स्वागत सम्मान, मुनिश्री के मंगल प्रवचन, आचार्यश्री के जीवन पर प्रकाश, भगवान का अभिषेक और सामूहिक भोज

- परम संरक्षक-शैलेंद्र जैन मारवाड़ा
- संरक्षक-सुनिल मारवाड़ा, मोहन मारवाड़ा, विनोद बरमुंडा, बाबूलाल मित्तल, सूरज जैन श्रीमाल, धर्मोदय तीर्थक्षेत्र समिति अध्यक्ष कमलेश जैन सोगानी-9414963007,
- मंत्री-विनोद मारवाड़ा-9214962870,
- कोषाध्यक्ष-महावीर जैन सरावगी-9414963129

आयोजक: दिगंबर जैन धर्मोदय तीर्थक्षेत्र प्रबंध कार्यकारिणी समिति गंभीरा, तहसील नैनवां, जिला-बूंदी-323801 (राजस्थान)

दिव्य तपस्वी आचार्य श्री
108 सुन्दर सागर जी महाराज

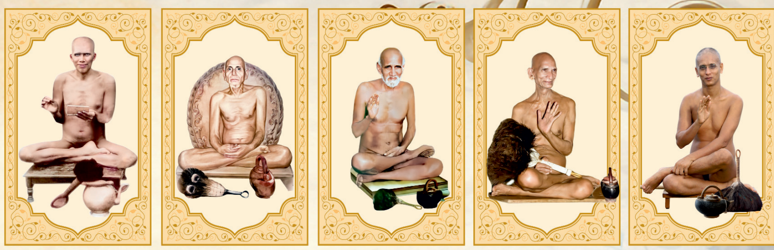

श्री सुरिआदिमहावीरकीर्तीविमलसन्मतिसुंदरगुरुभ्यो नमः

आदर्श से सुदर्श की यात्रा

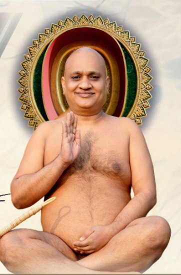

पावन सान्निध्य: आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी महाराज

माँ सुदर्श

हमारे आदर्श बन गये हो,
समता को मानो तुम जी गये हो,
"इंद्राणी" से तुमने जन्म को है पाया,
पिता "खजांची" ने कर मुक्त लुटाया,
करूणा के खजाने तुम भर गए हो,
माँ सुदर्श! हमारे आदर्श बन गए हो!

"सुमन" की बगिया को महकाया तुमने,
"अमित" प्रेम का नीर छलकाया तुमने,
"रीता" हो गया तीव्र कषायों का आकर
"विकास" हो गया तप जीवन को पाकर,
"विमल-सन्मति" आशीष पा गए हो,
"माँ सुदर्श"! हमारे आदश र्बन गए हो

जब तक ना मिले मुक्ति वधू महारानी, जन्मो -जन्मो तक बनना प्रेरणा हमारी, जिन संस्कारों से सींची ये बगिया, हर जुबां पर हो अब उनकी कहानी, सुंदर सा जीवन पथ दे गए हो, "माँ सुदर्श"! हमारे आदर्श बन गए हो!

धरती सी सहिष्णुता, सागर सी गंभीरता, प्रकृति की सरलता और सहजता का जीवन्त उदाहरण है, परम पूज्य आर्यिका सुदर्श मति माताजी जिन्होंने 72 वर्ष पूर्व ग्राम जिरसमी एटा में "माँ इंद्राणी" और पिता "खजांची लाल" के घर आकर प्रसन्नता का खजाना भर दिया। दो बहन और एक भाई छोटा सा सुखी परिवार माँ इंद्राणी जिन धर्मानुरागी थी जिनके संस्कारों से आदर्श का जीवन संस्कारित हुआ।

पुण्यार्जक परिवार

**श्रीमान अमित कुमार जैन, शेखर जैन,
अनु जैन, प्रियांशु जैन, मौलिशा जैन
एवं समस्त निधोली कलाँ परिवार एटा (उ.प्र.)**

विज्ञापन प्रेषकः R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267
rkpatni777@gmail.com हेड ऑफिस-मदनगंज किशनगढ़, ब्रांच आफिस- जयपुर, इंदौर, सूरत, मुम्बई, कोलकाता, गुवाहाटी

आदर्श से सुदर्श की यात्रा

युवावस्था की दहलीज पार करते ही आदर्श का पाणिग्रहण संस्कार ग्राम निधौली कलाँ एटा के श्रेष्ठि श्री इंद्र कुमार जी एवं प्रेमवति के पुत्र श्रीमान सुमन कुमार जी के साथ संपन्न हुआ। इनके तीन पुत्र अमित, शेखर, विकास और एक पुत्री रीता हुईं, विकास के जन्म से पूर्व ही सुमन जी विजयनगर कॉलोनी (एटा) में रहने लगे थे। यह वह पावन धरा है जहां आचार्य श्री विमल सागर जी (कोसमा एटा) आचार्य सन्मति सागर जी (फफोतु-एटा) सहित न जाने कितने साधु संतों ने जन्म लिया। इस भूमि का स्पर्श करते ही उनके जीवन में धर्म संस्कारों के बीज पुष्पित पल्लवित होने लगे। गणिनी आर्यिका माँ विशुद्ध मति माताजी (ग्वालियर) का चातुर्मास एटा नगर को प्राप्त हुआ। इस चातुर्मास में आदर्श जी और सुमन जी को नवीन दिशा बोध प्राप्त हुआ। वह देव शास्त्र-गुरु की भक्ति में तल्लीन हुए, प्रातः 8.00 बजे भी साधुओं के आगमन का शुभ समाचार प्राप्त होता तो वह इस शुभ अवसर को हाथों से जाने नहीं देते। फिरोजाबाद चातुर्मास संपन्न होने के उपरांत सन् 1986 में वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री विमल सागर जी महामुनिराज का एटा नगरी में पदार्पण हुआ तब आदर्श जी सुमन जी को निजगृह में आचार्य श्री का आहार कराने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। आचार्य श्री के वात्सल्य की गंगा में अवगाहित होकर उन्होंने दो-दो प्रतिमाओं के व्रत स्वीकार किये और उन्हीं के प्रेरणा और आशीर्वाद से निज गृह में बहुत ही खूबसूरत कमलासन पर जिन प्रतिमाओं को विराजमान किया जिसमें वह सपरिवार सदैव जिनार्चना किया करते थे। धीरे-धीरे समय व्यतीत होता रहा पुनश्च उस दंपति युगल ने तपस्वी सम्राट आचार्य भगवन श्री सन्मति सागर जी महामुनिराज से सप्तम प्रतिमा के व्रत ग्रहण किये। रक्षाबंधन पर्व पर सन् 2007 में उदगांव कुंजवन (महाराष्ट्र) में आचार्य भगवन श्री सन्मति सागर जी मुनिराज के करकमलों से दीक्षा लेकर सुमन जी मुनि श्री सुमर सागर जी के नाम से विख्यात हुए। उस समय आचार्य श्री ने इंद्र कुमार जी से पूछा तुम्हारा पुत्र दीक्षा ले रहा है तुम क्या करोगे तो इंद्र कुमार जी ने बड़ी सरलता और सहजता से उत्तर दिया कि मुझे भी दीक्षा दे दो और वह भी पुत्र के साथ दीक्षित होकर क्षुल्लक श्री सुकल्याण सागर हो गए। पिता पुत्र दोनों ही आचार्य गुरुदेव की छांव में अपनी विशुद्धि और संयमित जीवन को परिष्कृत करते रहे और फिर 24 दिसंबर 2010 में संघ पर महा बज्रपात हुआ गुरुदेव सन्मति सागर जी महाराज का वियोग हो गया तब सुमर सागर जी सुकल्याण सागर जी के साथ जिनकी तपश्चर्या सुंदर, मन सुंदर और तन भी सुंदर ऐसे दिव्य तपस्वी आचार्य गुरुदेव सुंदर सागर जी के संघस्थ हो गए। 2010 में रतलाम चातुर्मास के बाद कोटा से एटा और एटा से सम्मेद शिखर जी का विहार कराते हुए आदर्श जी भी अपनी पुत्री रीता के साथ संघ में सम्मिलित हो गए तथा संघ की आहार व्यवस्था को संभालते हुए उन्होंने 2012-13 का चातुर्मास तीर्थराज सम्मेद शिखरजी में संपन्न कराया। इसी दौरान 30.3.2013 में मुनि श्री सुमर सागर जी ने सम्मेद शिखरजी में अपने लक्ष्य समाधि मरण को प्राप्त किया। सन् 2014 एटा में रक्षाबंधन के दिन क्षुल्लक सुकल्याण सागर जी आचार्य भगवन सुंदर सागर जी के करकमलों से संस्कारित होकर मुनि बन गए। उसी समय आदर्श जी के सबसे छोटे पुत्र विकास जी ने ब्रह्मचर्य व्रत ग्रहण किया। एटा प्रवास में ही मुनि श्री सुकल्याण सागर जी ने

आर्यिका सुकाव्यमती माताजी के साथ आर्यिका सुदर्शमती माताजी

समाधिमरण को साध लिया। विकास भईया भी संघस्थ हो गए। 9 मई 2016 में आदर्श जी ने आचार्य भगवन सुंदर सागर जी के वात्सल्य और आशीर्वाद- प्रेरणा से आनंदपुरी-कानपुर में क्षुल्लिका दीक्षा ग्रहण कर ली और बन गई सुदर्श मति माताजी। लगभग 10 वर्षों तक साधना के सफर में उन्होंने अपनी विशुद्धि को हर क्षण वृद्धिगंत किया। 10 दिसंबर 2021 में बांसवाड़ा चातुर्मास के उपरांत उनकी पुत्री रीता आर्यिका दीक्षा लेकर ''सुकाव्यमति माताजी'' के नाम से विख्यात हुईं। संस्कारों का सफर और आगे बढ़ा। सुदर्श मति जी का स्वास्थ्य रुठने लगा। संयम के इस पथ पर कदम बढ़ाते हुए उनके पैर उनका साथ छोड़ने लगे। माताजी अनेक बार गिरें। बहुत-बहुत चोट लगने के बाद भी वह धैर्य और साहस के साथ व्रत का पालन करती रहीं। ना कुछ शिकायत न कोई शिकवा, सोना दीदी उनकी सेवा-परिचर्या में सहायक बनीं। उनके गिरते स्वास्थ्य को देखकर आचार्य भगवन सुंदर सागर जी गुरुदेव ने चित्तौड़गढ़ में 3 वर्ष की सल्लेखना धारण कराई और चार-छह वस्तुओं के अलावा शेष कराकर उनकी साधना को सुदृढ़ बनाया। 2025 में सुमति धाम में साधु संतों का सानिध्य और आशीर्वाद प्राप्त करते हुए माताजी पूज्य गुरुदेव के साथ चित्रकूट कॉलोनी जयपुर चातुर्मास के लिए पहुंचीं जहां उनके जीवन का सुंदरतम समायोग प्राप्त हुआ उनके पुत्र विकास जी की जैनेश्वरी दीक्षा का। यद्यपि शारीरिक बल पूर्ण रूपेण क्षीण हो चुका था फिर भी उन पलों को अपनी आंखों में मानो वह समेट लेना चाहती थीं। देखते ही देखते विकास भईया मुनि सुयोग्य सागर जी बन गए। कैसा अद्भुत विलक्षण पुण्य था उस आदर्श का जो कि उनकी माँ इंद्राणी ने आर्यिका विहर्षमति माताजी के रूप में गणिनी आर्यिका माँ विशुद्ध मति माताजी से दीक्षा ग्रहण कर समाधि की। वे स्वयं आर्यिका बनीं और उनकी पुत्री रीता भी आर्यिका सुकाव्य मति के रूप में साधनारत हैं। उनके पति सुमर सागर जी मुनि बने, ससुर सुकल्याण सागर जी मुनि बने और पुत्र सुयोग्य सागर जी बन गए। तप-संयम की यह श्रृंखला यहां ही पूर्ण नहीं हुई उनकी भाभी, मामी आदि ने भी महाव्रतों को धारण किया। इस पर ही उनका पुण्य अवरुद्ध नहीं हुआ बल्कि वह पुण्य और अधिक फलित हुआ। 3.11.25 को विकास की दीक्षा हुई और उन अद्भुत क्षणों से तृप्त हुई सुदर्शमति ने भी 4.11.2025 को आर्यिका पद के संस्कार प्राप्त किये। यहां से साधना और भी सुदृढ़ हो गई और दो निर्जल उपवास के साथ जल ग्रहण करके 17 उपवास पूर्ण कर 22.11.2025 को प्रातः 7.15 पर उन्होंने महा समाधिमरण किया। इस गुलाबी नगरी की एस. एफ एस कॉलोनी जैसे माताजी का पलक पावड़े बिछाये इंतजार कर रही थी। बहुत समय से संत निवास की भूमिका बन रही थी परंतु जमीन का क्रय नहीं हो पा रहा था। पर जैसे ही 21.11.25 को चित्रकूट कॉलोनी से विहार करके माताजी एस. एफएस कॉलोनी पहुंची 22.11.2025 की प्रातः बेला में अपनी साधना को विराम दिया वैसे ही समीपवर्ती भूमि संत निवास के लिए प्राप्त हो गई और वहीं उनकी अंतिम क्रियाएं संपन्न हुईं। माता जी के संयमित जीवन को उनकी साधना को जन-जन तक के हृदय तक रैनक जी ने पहुंचाकर जिन धर्म की प्रभावना की। उनके ही प्रयास से 65 लाख लोगों ने इस साधना को जाना, देखा और समझा। उनकी प्रथम रील इंस्टाग्राम पर 2.4 मिलियन लोगों ने देखी और करीब 90 हजार लोगों ने उसे लाइक किया। ये आंकड़े यह बताते हैं कि कहीं ना कहीं हम सबके मन में विश्वास है कि जीवन का सार तो यही है। समाधिमरण के बिना यह जीव संसार से मुक्त होता नहीं है। जो एक बार समाधिमरण कर लेता है, वह जघन्य से एक-दो भवों में और उत्कृष्ट से सात-आठ भवों में मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। माताजी के शरीर में यद्धपि घावों की तीव्र वेदना थी फिर भी समता भाव से पीड़ा सहन करते हुए अपनी साधना को पूर्ण विराम दिया। पूज्य गुरुदेव सुंदर सागर जी के आशीष की छांव में उन्होंने अपने न केवल शरीर को कृश किया अपितु कषायों को भी कृश किया। जिन शासन की यही विशेषता है कि यहां साधक मृत्यु का स्वागत करते हैं। साक्षात्कार करते हैं। संयमी धर्म के मर्म को जानकर मृत्यु से भयभीत नहीं होते हैं, बल्कि मृत्यु महोत्सव मनाते हैं। धन्य है वह संयमी और धन्य है गुरुदेव जो स्वयं साधना को जीवन्त करते हैं और शिष्यों को भी उस मार्ग पर लगाते हैं।

- शेखरचंद पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

प्रसिद्ध समाजसेवी श्री भंवर लाल जी बाकलीवाल वरिष्ठ (एडवोकेट) चकवाडा निवासी ने अपने जीवन काल में अनेक धार्मिक कार्य किये

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

प्रसिद्ध समाजसेवी परम श्रद्धेय स्वर्गीय श्री भंवर लाल जी जैन बाकलीवाल चकवाडा निवासी ने अपने जीवन काल में काफी संघर्ष करते हुए अपने चारों पुत्रों को उच्च शिक्षा प्रदान करवाकर समाज में देश में नाम रोशन किया है, जानकारी पर ज्ञात हुआ कि इनका बड़ा लड़का अशोक जैन बहुत ही होनहार एवं मृदु स्वभावी है, अशोक जैन तत्कालीन समय के बिट्स पिलानी से केमिकल इंजीनियरिंग कर नाम कमाया, बाद में बड़ी कंपनियों में सेवारत रहते हुए टेक्निकल कंसल्टेंट्री रहे जो वर्तमान में इंदिरापुरम दिल्ली में निवास कर रहे हैं, इसी तरह इनके अन्य सुपुत्र विमल कुमार जैन एवं विनोद कुमार जैन राजस्थान में उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं, चौथे पुत्र डॉ. प्रमोद जैन पुत्रवधू रीना जैन दोनों जयपुर में डॉक्टर हैं, इनकी बड़ी लड़की मधु जैन के पति श्री नरेंद्र कुमार जैन निवाई वाले राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधिपति रहते हुए सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति रहे एवं मध्य प्रदेश के मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष रहकर सराहनीय सेवा की। श्री भंवर लाल जी जैन के पौत्र/पौत्रियां, पड़पौत्र - पड़पौत्रियां भी उच्च शिक्षा प्राप्त करके अपने-अपने क्षेत्र में परिवार का नाम रोशन कर रहे हैं। श्री भंवर लाल जी जैन ने अपने जीवन काल में अनेक धार्मिक संस्थाओं में, पंचकल्याणकों में, अथाह सहयोग देकर, दान पुण्य कर, अक्षय धर्म लाभ प्राप्त किया, आपने समाज की अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के पदों पर रहकर समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य किया था। वर्तमान में आपकी धर्मपत्नी अचरज देवी सहित सारा परिवार भी साधु चर्या एवं धर्मचर्या में अग्रणी रहते हुए हर व्यक्ति के दुख सुख में तन मन धन से तैयार रहते हैं।

मुनि विनम्र सागरजी को किशनगढ़ पधारने हेतु श्रीफल समर्पित

- शेखरचंद पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक सुयोग्य शिष्य पूज्य मुनि राज 108 श्री विनम्र सागर जी महाराज ससंघ को किशनगढ़ प्रवास हेतु श्रीफल समर्पित किया। मुनिसंघ का संभवतः केकड़ी से सरवाड़ नसीराबाद अजमेर होते हुए किशनगढ़ आने का कार्यक्रम है। श्रीफल समर्पित करने वालों में आदिनाथ पंचायत के उपाध्यक्ष प्रदीप गंगवाल, मंत्री प्राणेश बज, उपमंत्री इंदर चंद पाटनी, लोकेश झांझरी, सुभाष चौधरी, अनिल गंगवाल (दातरी), श्रेयांस पाटोदी, शेखर पाटनी राकेश काला, महेंद्र गगंवाल आदि महानुभाव उपस्थित थे। इन सभी ने केकड़ी जैन मंदिर जी पहुंचकर महाराज जी के दर्शन किए व किशनगढ़ प्रवास हेतु निवेदन किया।

25 वीं पुण्य तिथि दि. 24.12.2025 पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

धर्मनिष्ठ, सरल स्वभावी, व्यवहार कुशल

स्वर्गीय श्रीमती चांद देवी जैन अग्रवाल

(धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री हंसराज जी जैन अग्रवाल मारुजी लाम्बा वाले)

पद्मप्रभु भगवान बाड़ा पदमपुरा

जन्म: 28-08-1928
स्वर्गवास: 24-12-2000

श्रद्धासुमन अर्पित कर्ता

मुनिभक्त दानवीर स्व. श्री हंसराज जी जैन अग्रवाल व स्व. श्रीमती चांददेवी अग्रवाल एवं स्व. श्री प्रकाशचन्द जी अग्रवाल मारुजी लाम्बा वालों के परिवारजन

श्रीमती गायत्री जैन-ध.प.स्व. श्री प्रकाश चन्द जी जैन, गोविन्द जैन-श्रीमती राज जैन (जर्मनी वाले), जगदीश चंद जैन-श्रीमती रेखा रानी जैन, कमल जैन-श्रीमती सुनीता जैन (पुत्र-पुत्रवधु), जितेन्द्र जैन-श्रीमती नियती जैन, विकास जैन-श्रीमती प्रियंका जैन (जर्मनी वाले), अंकित जैन-श्रीमती याशिका जैन (पौत्र-पौत्रवधु) व विशाल जैन-अतिका जैन (पौत्र-पौत्रवधु), अमन, प्रांजल एवं डेलिशा (ईशान व विवान जर्मनी वाले) (प्रपौत्र, प्रपौत्री)

-: प्रतिष्ठान :-

हंसराज एण्ड कम्पनी, 75, जौहरी बाजार, जयपुर फोन 0141-2577150

एच. आर. पैलेस: गोविन्द विकास जैन (जर्मनी वाले)
48-49, चौड़ा रास्ता (नियर साईबाबा मंदिर) जयपुर (राज),

Jainas Import Export Co. Bangkok (Thailand) जे. वी. डायमंड, मुंबई

आवास: 39, प्रताप नगर, स्कीम-3, ग्लास फैक्ट्री के पास, टोंक रोड, जयपुर (राज.) फोन: 0141-2702814

आचार्य श्री सुन्दर सागरजी द्वारा धर्म प्रभावना

- शेखरचंद पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

जयपुर। नेमीसागर कॉलोनी आचार्य 108 श्री सुन्दर सागर जी महाराज के संघ का सान्निध्य अभी जयपुर की नेमसागर कॉलोनी को मिल रहा है। आचार्य श्री की अत्यधिक प्रभावना से नेमीसागर कॉलोनी के भक्त पूर्ण रूप से समाधि है। नेमसागर कॉलोनी के लोकप्रिय अध्यक्ष जे. के. जैन कालाडेरा वाले अपनी पूरी टीम के साथ ससंघ की सेवा में लगे हुए हैं। विजय कुमार बड़जात्या, जयकुमार बड़जात्या आदि सभी नेमसागर कॉलोनी के लोग सभी प्रमुदित मुद्रा में हैं। सुबह प्रवचन व सायंकाल आगम युक्त समाधान मार्मिक व मानव जीवन को सुधारने वाला हो जाता है। मुनि भक्त देव प्रकाश जी खण्डाका इतनी दूर से रोज को रोज आचार्य सुन्दर सागर जी के दर्शन करने आते हैं। एस. एफ एस कॉलोनी भी आते थे और अभी नेमीसागर कॉलोनी भी आ रहे हैं। मैं जैन गजट के पाठकों को बताना चाहता हूँ कि आचार्य सुन्दर सागर जी महाराज से जिनशासन की अद्वितीय प्रभावना हो रही व आगे यह प्रभावना और बढ़ेगी। 24 दिसंबर को तपस्वी सम्राट सन्मति सागर जी महाराज का 15 वां समाधि-दिवस नेमी सागर कॉलोनी में विधान के साथ बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। रत्नों से भी महंगी मनुष्य पर्याय है और इस पर्याय की सार्थकता तो आचार्य 108 श्री सुन्दर सागर जी मुनिराजों जैसे सन्तों के सानिध्य में ही सार्थक है।

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सफलतापूर्वक गठन के उपरांत

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चेरिटेबुल ट्रस्ट के नवनियुक्त ट्रस्टी बनने पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

आपका यह नवीन दायित्व समाजसेवा, धर्म रक्षा एवं मानवीय मूल्यों के संरक्षण की दिशा में आपके अनुभव, निष्ठा और समर्पण से नई ऊर्जा एवं सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बने-ऐसी मंगल कामना है।

प्रथम दिवस

श्री जिनेन्द्र जैन नरपतिया, दिल्ली

द्वितीय दिवस

श्री पवन जैन पाटोदी, जसपुर, रांची

तृतीय दिवस

श्रीमती वीणा देवी जैन छाबड़ा, गुवाहाटी

चतुर्थ दिवस

सी ए श्री विनय जैन, गुरूग्राम

पंचम दिवस

श्री नरेश कुमार जैन, धनकोट, गुरूग्राम

छटवां दिवस

श्री संजय जैन-श्रीमती रेनू जैन, गुरूग्राम

सप्तम दिवस

श्री संदीप बाकलीवाल एवं जयदीप बाकलीवाल, हैदराबाद

अष्टम दिवस

श्री रिषभ जैन, गुरूग्राम

नवम दिवस

श्री अशोक कुमार जैन, गुरूग्राम

दशम दिवस

श्री छवी कुमार सेठी, डीमापुर/नागालैंड

एकादश दिवस

श्री कमल जैन, गुवाहाटी/असम

द्वादश दिवस

श्री अंकुर जैन एवं नरेन्द्र कुमार जैन, गुरूग्राम

तेरहवां दिवस

श्री अनिल जैन पाटोदी, हैदराबाद

चतुर्दश दिवस

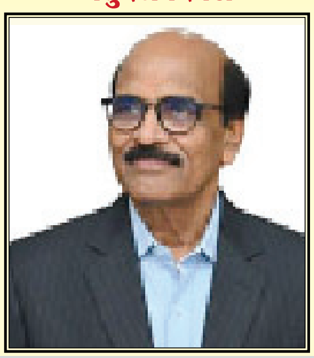

श्री नरेन्द्र कुमार जैन गोधा बंगाईगांव, असम

पन्द्रहवें दिवस

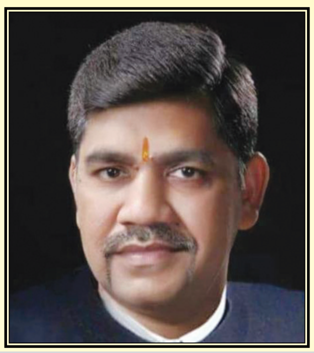

श्री कमल पलवल जैन दिल्ली

सोलहवें दिवस

श्री चंद्रप्रकाश जैन दिल्ली

द्वि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन

अंतर्मना आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी एवं योगगुरु रामदेवबाबाजी के मंगल सान्निध्य में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन की बोलती तस्वीरें...!

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. मेरे पैरों पर लाल-लाल निशान हो गये हैं, काफी ईलाज किया मगर कोई लाभ नहीं हो रहा है, ज्योतिष में इसका क्या उपाय है? - अभिजीत तंवर, दिल्ली

उत्तर - अभिजीत जी, बुध ग्रह कुंडली में कमजोर हो तब स्किन की समस्या आती है। आप पन्ना रत्न बुधवार को सीधे हाथ की सबसे छोटी अंगुली में धारण करें तथा श्री विमलनाथ जी का चालीसा हल्की आवाज में पढ़ें।

प्रश्न 2. मेरी बेटी मांगलिक है, क्या इसी कारण उसकी शादी में देरी हो रही है? क्या उपाय करें? - मोनिका, मुम्बई

उत्तर - मोनिका जी, मैं पहले भी बता चुका हूं कि मांगलिक के कारण शादी में देरी नही होती, शादी में देरी का कारण बिटिया की कुंडली में नीच का गुरू ग्रह है, अतः आप श्री आदिनाथ विधान करायें तथा श्री आदिनाथ जी का चालीसा बिटिया को रोजाना पढ़ने को कहें।

प्रश्न 3. कुंडली मिलान कराने से क्या फायदा होता है? क्या सभी को कुंडली मिलान कराना चाहिये? - शुभम, दिल्ली

उत्तर - जी हां ! सभी को कुंडली मिलान कराके ही शादी करनी चाहिये। कुंडली मिलान कराने से वैवाहिक जीवन में शान्ति की उम्मीद ज्यादा हो जाती है।

प्रश्न 4. गुरू ग्रह के अरिष्ठ निवारक तीर्थंकर कौन से होते है? और कितने होते हैं? - कुसुम लता, देहरादून

उत्तर - बुध ग्रह के आठ तीर्थंकर होती है। आदिनाथ जी, अजितनाथ जी, सम्भवनाथ जी, अभीनन्दन नाथ जी, सुमतिनाथ जी, सुपार्श्वनाथ जी, शीतलनाथ जी, श्रेयांशनाथ जी।

गुरु जी से संपर्क सूत्र- 9990402062, 826755078

आचार्य श्री धर्मसागर की 113वीं जन्म जयंती महोत्सव की तैयारियां प्रारंभ

महावीर कुमार सरावगी, संवाददाता नैनवां

नैनवां, 18 दिसंबर, 2025। आचार्य श्री धर्म सागर महाराज का जन्म तहसील नैनवां के गंभीरा ग्राम जिला बूंदी में हुआ था, यह क्षेत्र पूरे भारत में विख्यात है। इस मेले पर संपूर्ण भारतवर्ष के भक्त आकर जन्म जयंती महोत्सव अपार धर्म प्रभावना से मनाते हैं।

नवीन कार्यकारिणी के अध्यक्ष कमलेश जैन सोगानी ने बताया कि जयंती महोत्सव पर दिगंबर जैन संत जैन मुनि वैराग्य सागर, सुप्रभ सागर महाराज का सानिध्य जयंती में प्राप्त होगा। धर्मोदय तीर्थक्षेत्र के परम संरक्षक शैलेंद्र जैन मारवाड़ा ने यह जानकारी देते हुये बताया कि इस क्षेत्र पर संपूर्ण राजस्थान के भक्तों का जयंती महोत्सव पर आना सदैव बना रहता है। इस समिति के युवा संरक्षक सुनील मारवाड़ा मोहन मारवाड़ा ने बताया कि इस जयंती महोत्सव पर धर्म प्रभावना के साथ धूमधाम से जयंती महोत्सव मनाने की पूर्ण तैयारियां हो रहीं हैं।

परम पूज्य आचार्य 108 श्री धर्मसागर जी महाराज (तृतीय पट्टाधीश)

वार्षिक समारोह में उमड़ा जैनसैलाब

महावीर कुमार सरावगी, संवाददाता

नैनवां, 15 दिसंबर। जिला टोंक का ग्राम निमोला में अतिशय क्षेत्र जैन समाज का बहुत बड़ी आस्था का बहुत बड़ा क्षेत्र है। निंबोला ग्राम में श्री जी का अभिषेक शांति धारा 11:30 पर, झंडारोहण प्रकाश पटवारी पवन रेखा मनोज खुशबू सोनी परिवार द्वारा किया गया। 1:00 बजे जैन मंदिर से रथ यात्रा में भगवान को बोली लेने का सौभाग्य निहालचंद निमोला नैनवां, सारथी का सौभाग्य बाबूलाल मनोज कुमार जैन निंबोला नैनवां को, चंवर डुलाने का सौभाग्य महावीर नेमीचंद गोयल डिग्गी वालों ने प्राप्त किया। 14 दिसंबर को जिला टोंक से महिला मंडल एवं समाज के श्रेष्ठी पैदल यात्रा लेकर निंबोला पहुंचे। रथयात्रा में महिलाएं अपने शिरों पर 35 मांगलिक कलशों को केसरिया लिबास में नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ गाजे-बाजे के साथ जैन मंदिर शोभायात्रा प्रारंभ हुई। समारोह की अध्यक्षता हुकुमचंद जैन प्रेस वाले निवाई, विशिष्ट अतिथि राजेंद्र जैन स्नेहलता, चित्र अनावरण महावीर गोयल, दीप प्रज्वलित श्रीमती मधुबाला बाबूलाल जैन ने किया। इस समारोह में संपूर्ण राजस्थान के भक्तों का सदैव आवागमन बना रहता है जिसमें जयपुर कोटा, निवाई, टोंक, उनियारा टोडारायसिंह, साखना, आमली कला, गंगापुर भरतपुर, नैनवां, बूंदी, धुवा अंबर वासी कई स्थानों से भक्त ने पहुंचकर धर्म लाभ लेते हैं। समारोह का संचालन रमेश जी काला टोंक द्वारा किया गया। प्रतिष्ठाचार्य मनोज जैन शास्त्री द्वारा भगवान का अभिषेक शांति धारा विधान कराई गई। क्षेत्र के अध्यक्ष बाबूलाल जैन रानोली वालों ने भगवान के अतिशय के बारे में भक्तों को संबोधित करते हुए बताया। सामूहिक भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रथ यात्रा का आयोजन

लखनऊ। काकोरी स्थित भगवान पारसनाथ धाम में पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक दिवस के अवसर पर वार्षिक रथयात्रा का आयोजन हुआ। रथ के सारथी श्री विजय कुमार जी जैन घी वाले चारबाग बने, जिसमें संपूर्ण अवध से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। 21 फिट आदिनाथ भगवान की प्रतिमा के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति की घोषणा की गई। मुख्य संयोजक ब्रिजेश जैन बंटी ने बताया कि आगमी 24 जून 2026 से 29 जून 2026 तक चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी के सानिध्य में भव्य पंचकल्याणक मनाया जाएगा।

भरत जी-अर्चना जी को शादी की रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

जैन गजट संवाददाता श्रीमान भरत जी अर्चना जी कोठारी, पाण्डिचेरी को शादी की रजत जयंती की शुभकामनाएं। ''गुल ने गुलशन से, गुलफाम भेजा है। सितारों ने आसमान से, सलाम भेजा है। मुबारक हो आपको शादी की पच्चीसवीं सालगिरह, हमने दिल से यह पैगाम भेजा है।।''

- सभी शुभचिंतकों की ओर से।

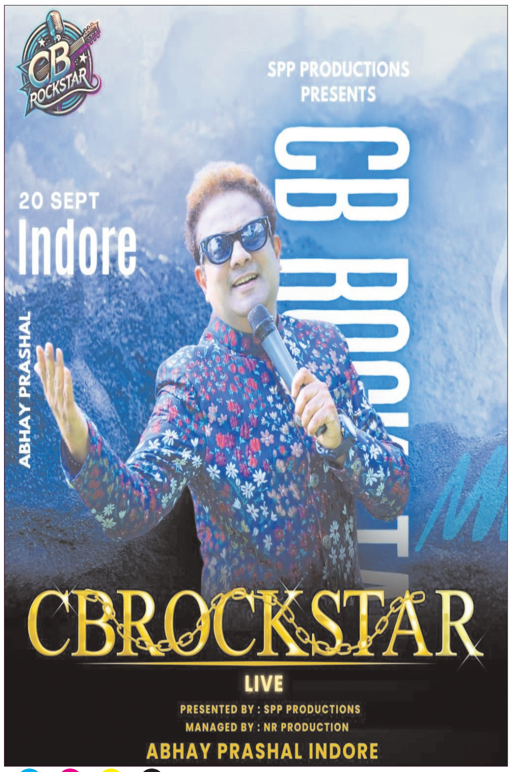

होनहार के आगे आपके सारे विकल्प बेकार हैं

भोगियों की दोस्ती नरक का द्वार है

सादगी व्यक्ति को सदा ताजगी में रखती है

आत्मबल व्यक्ति को हारने नहीं देता है

ज्ञानी की वाणी अभिमानी को अच्छी लग ही नहीं सकती है

स्वत्वाधिकारी 'श्री भारतवर्षीय दिगबर जैन महासभा' के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचन्द्र गुप्ता द्वारा द इण्डियन एसप्रेस प्रा. लि. सी 26, अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया लखनऊ उर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर लोर मिल्स कपाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ-226004 उ. प्र. से प्रकाशित, सपादक -सुधेश कुमार जैन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
प्रकाशचन्द्र जैन बड़जात्या
मोबाइल- 9840213132
राजेश बी. शाह
मोबाइल- 9076700000

महामंत्री
पवन जैन गोधा
मो. 9311198985

कोषाध्यक्ष
प्रकाश बोहरा
दिल्ली

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
डॉ. सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्पलेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से कोरियर से मंगाने पर अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र. रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क-
7607921391, 7505102419
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल jaingazette2@gmail.com पर भेजें

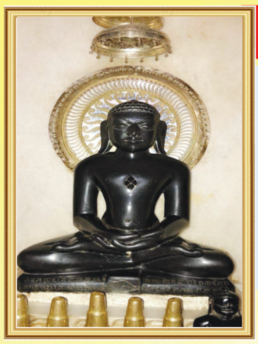

भगवान नेमिनाथ

।। श्री नेमीनाथाय नमः ।।

स्व. श्री भंवर लाल जी जैन बाकलीवाल एडवोकेट चकवाड़ा वाले फागी, जयपुर की तृतीय पुण्य तिथि 27.12.2025 पर विनम्र श्रद्धांजलि

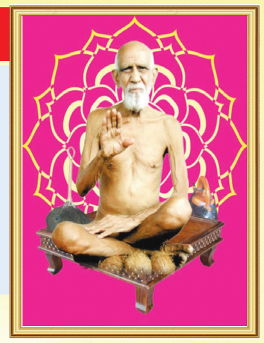

आचार्य श्री गुणसागर जी महाराज

जन्म तिथि
06.10.1934

पुण्य तिथि
27.12.2022

स्व. श्री भंवरलाल जी बाकलीवाल (एडवोकेट)

ईश्वर की इच्छा के आगे हम सब हैं नतमस्तक, अभी भी सुनाई देती है आपकी गूंज
आपकी उपस्थिति का हमेशा अहसास होता है आसपास, आपके आशीषों का सम्बल संजोए हैं हम सभी

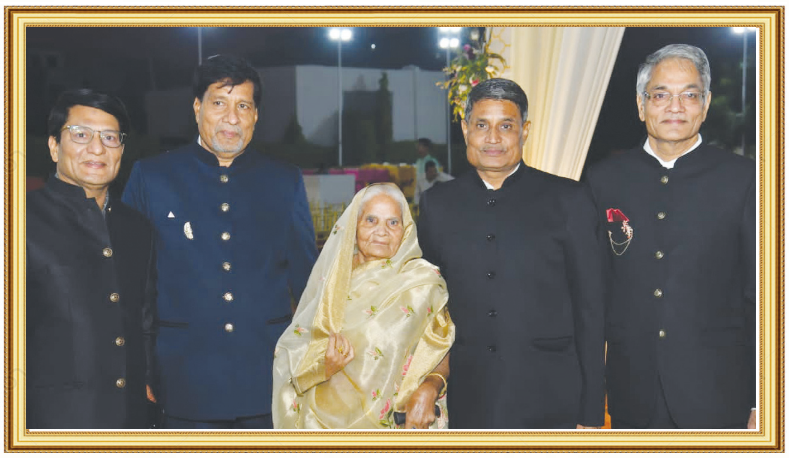

-: श्रद्धावनत :-

श्रीमती अचरज देवी पत्नी

अशोक कुमार-बीना, विमल कुमार-सरोज, विनोद कुमार शिमला, डॉ. प्रमोद-डा. डॉक्टर रीना जैन, अक्षत जैन (पुत्र-पुत्र वधू), मधुबाला-नरेंद्र कुमार जैन, आशा-सुरेंद्र कुमार जी, उषा-अनूप जी, मोनिका -विशाल जी जैन (बेटी दामाद), आभा-अंकुर जी (दोहिती-दामाद), अंकित-गुंजन, शुभम-आकांक्षा, शोभित -सुनिधि (पौत्र-पौत्रवधु), शशांक संयम, अक्षत, भूमि, नैव्या (पौत्र, पौत्री), वेदांक-शुभांशा (प्रपौत्र-प्रपौत्री) सहित समस्त बाकलीवाल परिवार चकवाडा वाले फागी जयपुर

-: फर्म :-

➲ अशोक कुमार जैन, टेक्निकल कंन्सलटेंट, इन्द्रापुरम गाजियाबाद नई दिल्ली ➲ अंकित जैन, जनरल मैनेजर इनोवेटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा ➲ गुंजन जैन असिस्टेंट मैनेजर, केपीएमजी KPMG गुड़गांव, इन्द्रापुरम गाजियाबाद नई दिल्ली ➲ जैन एसोसिएट्स, विमल कुमार जैन, शुभम जैन एडवोकेट, राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर, 154 गायत्री नगर, जयपुर (94142-78879), ➲ विनोद कुमार जैन एडवोकेट सांभर, दूदू, फागी शशांक जैन एडवोकेट (राज.हाईकोर्ट) जयपुर, शोभित जैन एडवोकेट L.K.S.LAW Firm New Delhi (94144-09253)-सुनिधि Indus Law firm, New Delhi ➲ डा. प्रमोद जैन MS ऑर्थो, वरिष्ठ विशेषज्ञ, फैक्चर एवं जोड़ प्रत्यारोपण, जयपुर हास्पिटल लालकोठी आस्था हास्पिटल मकराना (94141-16108), ➲ डा. रीना जैन MD सीनियर कार्डियक एनेस्थोटिक EHCC अस्पताल जयपुर, अक्षत जैन MS, USA Tesla Moters, डॉक्टर भूमि जैन, संयम जैन B.Tech. IIT Delhi. Start up at Gurugram शांतिनगर, दुर्गापुरा, जयपुर (राजस्थान)

संकलन: राजाबाबू गोधा, फागी, जैन गजट संवाददाता फागी एवं राजस्थान मो. 09460554501

नवविवाहित युगल को शुभ आशीर्वाद

जिनशासन की पावन प्रेरणा से

श्री आदित्य बाकलीवाल

(सुपुत्र: श्री अरुण बाकलीवाल एवं श्रीमती कल्पना बाकलीवाल)

संग

श्रीमती अंकिता जैन

(सुपुत्री: स्व. श्री राजेंद्र कुमार काला एवं श्रीमती स्नेहलता काला)

का पावन परिणय संस्कार दिनांक 09-12-2025 को मंगलमय वातावरण में गोवा में संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर समस्त परिजन, इष्ट मित्र एवं जिनशासन प्रेमी नवविवाहित युगल को जिनेंद्र भगवान की अनंत कृपा, मंगलमय गृहस्थ जीवन, उत्तम स्वास्थ्य, सौहार्द एवं समृद्धि हेतु हार्दिक शुभकामनाएं एवं शुभाशीर्वाद प्रेषित करते हैं

शुभाकांक्षी

बाकलीवाल परिवार - दादा जी: स्व. श्री चैनरूप बाकलीवाल,
दादी जी: स्व. श्रीमती सुशीला देवी बाकलीवाल,
नाना जी: स्व. श्री निर्मल कुमार सेठी (महासभा अध्यक्ष),
नानी जी: स्व. श्रीमती संतरा देवी सेठी

काला परिवार - दादा जी: स्व. श्री धन्नालाल जैन (जे. के. मसाले)
दादी जी: स्व. श्रीमती बिमला देवी जैन
नानाजी : स्व. श्री हनुमान प्रसादजी बड़जात्या
नानीजी : स्व. श्रीमती भंवरी देवी बड़जात्या

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2024-2026

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh,
Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 9415108233,
7505102419, 7607921391 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,
....
....
....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।